प्रकाशन तिथि : 15 अप्रेल, 2024
प्रेषण तिथि : 19 अप्रेल, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 03 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

राजनीतिक कार्यकर्त्ता नहीं, मतदाता बनकर व्यवहार करें: सरवड़ी

(संघशक्ति में जन्म शताब्दी समारोह के सहयोगियों का स्नेहमिलन संपन्न)

हम अभी भी लोकतंत्र के वर्तमान स्वरूप के अनुरूप सही राजनीतिक व्यवहार करना नहीं सीखे हैं। अभी भी हम 'रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाए' की रीत पर चल कर मतदान कर रहे हैं। इसीलिए हम लंबे समय तक कांग्रेस का विरोध करते रहे क्योंकि उसने हमारी जमीनें छीन ली थी। लेकिन इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस के विरोध में जिस पार्टी को हम वोट देते रहे हैं वह भी हमारी परवाह नहीं करती क्योंकि हम उसके प्रति निष्ठावान बन गए। हमें यह समझना पड़ेगा कि हम राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि मतदाता हैं। इसलिए पार्टियों के प्रति निष्ठा रखना हमारा काम नहीं है, बल्कि हमारे समाज के जो हित में है, जो हमारे समाज के फेवर में है, हमें उस दल अथवा व्यक्ति को समर्थन देना चाहिए। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

व्यक्तिगत चरित्र की नहीं, समाज चरित्र की बात करें

(31 मार्च को संघशक्ति में आयोजित स्नेहमिलन में माननीय संरक्षक श्री द्वारा प्रदत्त उद्बोधन का संपादित अंश)

प्रिय बंधुओ! जीवन में बहुत कुछ ऐसा है जो सदैव याद रखना चाहिए और बहुत कुछ ऐसा है जिसको भूल जाना चाहिए। यह आत्मचिंतन के बिना संभव नहीं है। शताब्दी समारोह पर दिल्ली में जो कार्यक्रम आयोजित हुआ था, उसमें जिन लोगों ने सहयोग किया है, उनके स्नेहमिलन और स्नहभोज के रूप में आज का कार्यक्रम रखा गया। लेकिन राजनीति के विषय के विस्तार में हम अधिक चले गए, जिसकी सामायिक आवश्यकता है, लेकिन इसी के लिए हम इकट्ठे नहीं हुए थे। प्रबुद्ध लोगों को यह ध्यान में रखना चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ युवकों और युवतियों में जो संस्कार डाल रहा है समाज, संस्कृति और धर्म के प्रति, उसके अनुकूल हमारा क्या कर्तव्य होना चाहिए इस पर हमने बात नहीं की। श्री क्षत्रिय युवक संघ से आप अपेक्षा बहुत करते हैं लेकिन क्या आपके बच्चे श्री क्षत्रिय युवक संघ में जाते हैं? क्या आपको आवश्यकता महसूस होती है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ से वे जुड़े? यदि वे जुड़ नहीं पा रहे हैं तो उसमें कमी युवाओं की नहीं है, माता-पिता की है। क्योंकि माता-पिता तो चाहते हैं कि उनकी संतान को अच्छी नौकरी मिल जाए, अच्छा घर मिल जाए, इसके अलावा कोई बहुत बड़ी सोच नहीं है। लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ की सोच बहुत बड़ी है, बहुत विशाल है। इसी सोच के साथ पूज्य तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की थी। वह स्थापना अपने आप में क्रांति है। आप लोग राजनीति में अपना वर्चस्व बनाना चाहते हैं लेकिन यह इतना आसान नहीं है। 30-35 साल पहले एक बार एक चर्चा में जसवंत सिंह जी जसोल ने कहा था कि राजनीति तो डमरू का खेल है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में समाज की उपेक्षा का उत्तर चुनावों में देने का आह्वान

भारतीय जनता पार्टी द्वारा टिकट वितरण में राजपूत समाज की उपेक्षा, इतिहास विकृतिकरण और ईडब्ल्यूएस सरलीकरण न करने आदि विभिन्न मुद्दों को लेकर उत्तरप्रदेश के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में क्षत्रिय महापंचायतों का आयोजन किया गया। किसान मजदूर एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पश्चिमी उत्तरप्रदेश की कैराना, सहारनपुर और मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न राजपूत गांवों से होते हुए क्षत्रिय स्वाभिमान यात्रा 7 अप्रैल को नानोता (सहारनपुर) पहुंची जहां क्षत्रिय महापंचायत का आयोजन हुआ। इस

महापंचायत में बड़ी संख्या में उपस्थित समाजबंधुओ द्वारा निर्णय लिया गया कि भारतीय जनता पार्टी को राजपूत समाज द्वारा एकतरफा मतदान किया जाता रहा है लेकिन इसके बाद भी भाजपा द्वारा समाज की लगातार अनदेखी की जा रही है। आगामी लोकसभा चुनाव में हमें भाजपा के विरोध में मतदान करके इस अनदेखी का उत्तर देना होगा। ठाकुर पूरण सिंह, डॉ. विक्रम सिंह पुंडीर, ठाकुर रामभूल सिंह ने महापंचायत को संबोधित किया और समाज हित को केंद्र में रखकर मतदान करने का आह्वान किया। नोएडा के झटटा गांव ने भी क्षत्रिय समाज एवं किसानों की महापंचायत हुई जिसमें गौतमबुद्ध नगर से भाजपा के सांसद महेश शर्मा को क्षत्रिय समाज एवं किसान विरोधी कार्यों में लिप्त बताते हुए उनके विरोध में मतदान करने का आह्वान किया गया। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

गंगापुर (भीलवाड़ा) में मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर

भीलवाड़ा जिले के गंगापुर में आमली रोड स्थित श्रीमद् कालूगणी समाधि स्थल परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर 7 से 10 अप्रैल तक आयोजित हुआ। लक्ष्मी कंवर खारड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमने एक विशेष कौम में जन्म लिया है, इसलिए हमारी विशेष जिम्मेदारी भी है। उसमें भी नारी शक्ति के रूप में हमारा दायित्व दोगुना हो जाता है। नारी के रूप में हमें परिवार का भी निर्माण करना है और समाज व राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान देना है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने शिविरों में बुलाकर वह पहचान करवा रहा है। आप अगले चार दिन तक बाहरी प्रभावों को हटाकर केवल यहां सिखाई जाने वाली बातों पर ही ध्यान दें। ऐसा करने पर संघदर्शन हमारे जीवन व्यवहार में रच-बस जाएगा। शिविर के अंतिम दिन विदाई के अवसर पर उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षण सार्थक तभी होता है जब वह हमारे जीवन को बदलें। इस शिविर में आपने जो शिक्षण पाया है, उसका अभ्यास यहां से जाने के बाद भी जारी रखें जिससे आपका जीवन वैसा बन सके जैसा संघ चाहता है। शिविर में भीलवाड़ा, चितौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, अजमेर, जयपुर, जालौर आदि जिलों की 211 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बांदा (उत्तरप्रदेश) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर

उत्तरप्रदेश के बांदा में जमालपुर रोड स्थित रानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 6 से 9 अप्रैल तक आयोजित हुआ। जितेंद्र सिंह सिसरवादा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना समाज में क्षात्रधर्म पालन का पाठ पढ़ाने के लिए की। वर्तमान समय में समाज के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका हल संगठन से ही हो सकता है। संघ इसी संगठन का निर्माण कर रहा है। शिविर के समापन के समय आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक युवराज सिंह ने कहा कि संस्कार का हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान है। संस्कारों से ही व्यक्ति का चरित्र बनता है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि समाज की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे संस्कार शिविरों का निरंतर आयोजन आवश्यक है। एस के सिंह ने कहा कि संस्कारित परिवार ही उन्नति और प्रगति कर सकता है। शिविर में रानीपुर, अलीहा, मवई, बड़ोखर, भिना, ग्योडी, खपटिया, अरबाई, लामा, अतरार माफ, मतोंध, पीपहरी, मकरबई, महोबा और बांदा (उत्तरप्रदेश) चंदला (मध्यप्रदेश) और पाली, जालोर, नागौर, जैसलमेर, जयपुर (राजस्थान) के 75 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। क्षत्रिय महासभा के स्थानीय कार्यकर्ताओं के सहयोग से कॉलेज के प्रबंधक राकेश सिंह गौड ने व्यवस्था का दायित्व संभाला।

जालोर व जोधपुर की संभागीय बैठकें संपन्न

30-31 मार्च को सिरोही जिले के सरण का खेड़ा गांव में जालोर संभाग का संभागीय स्नेहमिलन आयोजित हुआ। बैठक में पूरे वर्ष में संभाग में किए जाने वाले कार्यों का खाका तैयार हुआ जिसमें प्रांत अनुसार स्नेह मिलन कार्यक्रम, अप्रैल महीने में गुजरात के गांधीनगर में होने वाले उच्च प्रशिक्षण शिविर में जाने वाले स्वयं सेवको की सूची, संघशक्ति और पथ प्रेरक की सदस्यता बढ़ाना, पूरे वर्ष में होने वाले शिविरों की सूची, साप्ताहिक एवं दैनिक शाखा लगाने और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करके कार्ययोजना तय की गई एवं तदनुरूप लक्ष्य व दायित्व निर्धारित किए गए। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटौदा व संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सिरोही प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला। जोधपुर की संभागीय बैठक जोधपुर शहर स्थित तनायन कार्यालय में 7 अप्रैल को आयोजित हुई जिसमें मई माह में आयोजित होने जा रहे उच्च प्रशिक्षण शिविर एवं बालिका माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारी के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। प्रत्येक प्रांत व मंडल में ओटीसी में शामिल होने की योग्यता रखने वाले युवाओं से संपर्क कर उन्हें प्रेरित करने की योजना बनाई गई एवं जून में संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में होने वाले शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई। संघशक्ति, पथप्रेरक की सदस्यता बढ़ाने, प्रांतीय बैठकों के आयोजन आदि बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। संभाग प्रमुख चन्द्रवीर सिंह देणोक सहित सभी प्रांत प्रमुख व संभाग के स्वयंसेवक बैठक में उपस्थित रहे।

सूरत में जन्म शताब्दी समारोह के सहयोगियों का स्नेहमिलन

28 जनवरी को दिल्ली में आयोजित पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में सहयोग करने वाले सूरत प्रांत के सहयोगियों व स्वयंसेवकों का स्नेहमिलन कार्यक्रम 7 अप्रैल को सूरत स्थित देवभूमि फार्म में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा द्वारा बताया गया कि पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी समारोह के दिल्ली में आयोजन जैसा भागीरथी कार्य आप जैसे अनेकों सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से ही संपन्न हो पाया। यह सहयोगी भाव सदैव बना रहे और हमारी ऊर्जा को समाज हित में नियोजित करने की प्रेरणा उत्पन्न करता रहे, इसके लिए हमारा निरंतर संपर्क और संवाद आवश्यक है। किशोर सिंह, भवानी सिंह माड़पुरिया, केतनसिंह चलथान, भोपाल सिंह शामल, किरण सिंह जोलवा, प्रद्युमन सिंह वागधरा, वीर सिंह कराड़ा, ज्योति कंवर देनोक, एडवोकेट विजय सिंह वाला आदि ने अपने विचार रखे और जन्म शताब्दी समारोह के अनुभव साझा किये। पूर्ण सिंह धवला ने जन्म शताब्दी समारोह में सूरत प्रांत की ओर से हुए व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप सिंह गढ़ा व मनोहर सिंह मिठोडा ने किया। सभी सहयोगियों को स्मृति चिह्न के रूप पूज्य श्री तनसिंह जी की तस्वीर भेंट की गई। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। अंत में स्नेहभोज रखा गया।

चित्तौड़गढ़ में त्रिदिवसीय जौहर स्मृति श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

जौहर स्मृति संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला त्रिदिवसीय जौहर स्मृति श्रद्धांजलि समारोह चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर फतेह प्रकाश महल प्रांगण परिसर में 3 से 5 अप्रैल तक संपन्न हुआ जिसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन हुआ। प्रथम दिवस 3 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से महाराणा सांगा स्मृति पारंपरिक ग्रामीण एवं जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत एथलेटिक्स, दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक आदि का आयोजन हुआ। इसी दिन सायंकाल चित्तौड़गढ़ स्थित सुभाष चौक में वीर रस के कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। द्वितीय दिवस 4 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से स्नैप शूटिंग, तीरंदाजी, रस्साकशी एवं परंपरागत खेल आयोजित हुए, वहीं सायंकाल 4 बजे से घुड़ सवारी के खेल, साफा बांधना व मेहन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जौहर भवन में संस्थान की महिला उपाध्यक्ष निर्मला कंवर, दीपिका झाला एवं मीना कंवर चाकूड़ा के निर्देशन में हुआ, जिसमें राजस्थानी नृत्य, कविता आदि की

प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ प्रधान देवेंद्र कंवर एवं भदेसर प्रधान सुशीला कंवर आक्या भी उपस्थित रही। तृतीय दिवस चैत्र कृष्णा एकादशी (5 अप्रैल) को विशाल शोभायात्रा प्रातः 8 बजे श्री भूपाल राजपूत छात्रावास से प्रारंभ हुई। हाथी, घोड़े, जौहर से संबंधित विभिन्न झांकियां, अखाड़ा प्रदर्शन, गैर नृत्य, मशक वाद्य यंत्र पर नृत्य आदि आकर्षण का केंद्र रहे। शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दुर्ग राज चित्तौड़गढ़ पहुंची जहां बलिदानी सूरमाओं के स्मारकों का पूजन किया गया। 11:30 बजे जौहर स्थल पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में आयोजित हुए यज्ञ की पूर्णाहुति दी गई। दोपहर 12:15 बजे से मुख्य श्रद्धांजलि समारोह फतेह प्रकाश महल प्रांगण परिसर में आयोजित हुआ जिसमें अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज, सूरजकुंड, कुंभलगढ़ का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

जौहर स्मृति संस्थान के संरक्षक महाराणा महेंद्र सिंह मेवाड़ के संदेश का वाचन संस्थान के महामंत्री तेजपाल सिंह खोर ने किया। संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विजयपुर ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वाभिमान के खातिर जौहर करने वाली वीरांगनाओं को आज नमन करने का दिन है। हमारी भावी पीढ़ी हमारे इतिहास, संस्कार व संस्कृति को जाने, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि चित्तौड़गढ़ का स्वाभिमान इस धरा की वजह से है जहां तीन-तीन बार जौहर हुए हैं। पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि रानी पद्मिनी का नाम इतिहास में हमेशा अमर रहेगा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि जौहर मेले के लिए राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला बजट बहुत कम है, अतः इसे बढ़ाया जाए। जौहर स्मृति संस्थान के द्वारा उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया जिसमें चित्तौड़गढ़ मेडिकल कॉलेज का नामकरण महाराणा प्रताप के नाम पर करने, जौहर स्थल पर जौहर ज्योति स्थापित करने, खिलाड़ियों के प्रमाण पत्रों को राज्य स्तर की मान्यता दिलाने, चैत्र कृष्णा एकादशी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, दुर्ग पर बापा रावल की प्रतिमा लगाने एवं रिठौला चौराहे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की गई। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष प्रताप सिंह नागदा ने बताया कि क्षत्रियों की वजह से ही यह देश सुरक्षित रहा है और भारतीय संस्कृति राजपूतों के कारण ही बची हुई है। रणधीर सिंह भींडर ने मेवाड़ी में दिए उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ की परंपरा सभी समाज को साथ लेकर चलने की है। इस अवसर पर समाजसेवकों, प्रतिभाओं, खिलाड़ियों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। संस्थान के उपाध्यक्ष शक्ति सिंह मुरलिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अनीता राठौड़ उदयपुर ने किया। सुरेंद्र सिंह राठौड़ (विधायक कुंभलगढ़), श्री चंद कृपलानी (विधायक निंबाहेड़ा), प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत (पूर्व विधायक), भूमि विकास बैंक चित्तौड़गढ़ अध्यक्ष बद्रीलाल जाट, भोपाल सागर प्रधान हेमेंद्र सिंह राणावत, राजेंद्र सिंह नरूका, जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बड़ोली, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अमेरिका सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह स्थल पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के साहित्य की स्टाल भी लगाई गई एवं संघशक्ति, पथ प्रेरक के सदस्य भी बनाए गए।

राजपूत सभा भवन जयपुर में मनाई विक्रमादित्य जयंती

9 अप्रैल को विक्रम संवत प्रतिपदा चैत्र शुक्ल 2081 नवरात्र स्थापना के अवसर पर चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य की जयंती श्री राजपूत सभा भवन जयपुर में समारोह पूर्वक मनाई गई जिसमें श्री राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई कार्यकारिणी के सदस्यों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय परमार/ पंवार क्षत्रिय महासंघ एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राम सिंह चंदलाई ने कहा कि राजपूत सभा प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले सभी राजपूत अभ्यर्थियों का पूरा सहयोग करती है, उन्हें प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयार करती है और उनके रहने की व्यवस्था भी करती है। उन्होंने कहा कि हमें शासन और प्रशासन में अपनी भागीदारी बढ़ानी पड़ेगी तभी राजपूत समाज आगे बढ़ सकता है। राजपूत सभा जयपुर महानगर अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ ने कहा कि हमें सभी क्षत्रिय महापुरुषों की जयंतियां मनानी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी को अपने महापुरुषों के बारे में व उनके जीवन चरित्र के बारे में ज्ञान प्राप्त हो सके।अखिल भारतीय परमार/पंवार क्षत्रिय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल

शिशुपाल सिंह ने कहा कि हमें सभी महापुरुषों को पढ़ना चाहिए और उनके जीवन चरित्र को अपने जीवन में ढालने की कोशिश करनी चाहिए। इंजीनियर जालम सिंह, इंजीनियर जगत सिंह, डॉ. रूपक सिंह, राम सिंह सांखला, डॉ. दलबीर सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना दहेज विरोधी इकाई, अखंड राजपुताना सेवा संस्थान दिल्ली, अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति सहित अनेकों सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे सभी को विक्रमादित्य जी का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। मंच संचालन हरगोविंद सिंह परमार ने किया।

अरवल्ली प्रांत के गांवों में संपर्क यात्रा

उत्तर गुजरात संभाग के अरवल्ली प्रांत में 7 अप्रैल को सिनावाड, कामभरोड़ा, पिसाल आदि गांवों में संपर्क यात्रा की गई जिसमें पूर्णचंद्रसिंह छेल्लीघोडी, डॉ नागेंद्रसिंह गैड, भरतसिंह कुकराना, महावीरसिंह सिनावाड, कर्मजीतसिंह धंबोलिया, ध्रुवराजसिंह कामभरोडा , महेंद्रसिंह बकरोल, परमवीर सिंह मगोड़ी साथ में रहे। यात्रा के दौरान समाजबंधुओं से संपर्क कर श्री क्षत्रिय युवक के संबंध में जानकारी दी गई।

घोघा (गुजरात) में राजपूत समाज के त्रिविध कार्यक्रम का आयोजन

भावनगर जिले में घोघा, जो कभी गोहिल क्षत्रियों की राजधानी हुआ करती थी, में 9 अप्रैल को वीर मुखड़ो जी गोहिल की पुण्यतिथि, भारत के एकीकरण में सर्वप्रथम अपनी रियासत सौंपने वाले कृष्णकुमार सिंह गोहिल की पुण्यतिथि और वरतेज क्षत्रिय परिषद के सौवें स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में त्रिविध कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रतिवर्ष चैत्र सुदी एकम को इन दोनों महापुरुषों की पुण्यतिथि पर यहां कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसके साथ इस बार भावनगर के निकट स्थित वरतेज गांव में 1924 में आयोजित हुई क्षत्रिय परिषद का सौवां स्मृति दिवस भी मनाया गया। 100 वर्ष पूर्व आयोजित इस परिषद में पूरे

सौराष्ट्र क्षेत्र के हजारों क्षत्रिय शामिल हुए थे और आने वाले समय में क्षत्रिय समाज के विकास और उन्नति के लिए किस प्रकार का मार्ग अपनाना चाहिए, इस पर चिंतन किया गया था। मनु भा बापू चेर, कर्नल जोरावर सिंह जैसे चिंतकों ने उस समय समाज के लिए भविष्य के मार्ग की जो रूपरेखा प्रस्तुत की थी, वह आज भी प्रासंगिक है। परिषद में किया गया चिंतन श्री क्षत्रिय युवक संघ की विचारधारा से मेल खाता है और इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह पांची और प्रवीण सिंह सोलिया ने यह स्मृति दिवस मनाने का आग्रह रखा था, जिस पर गोहिलवाड़ राजपूत समाज द्वारा यह आयोजन किया गया। इस त्रिविध कार्यक्रम में गोहिलवाड़ राजपूत समाज के प्रमुख वासुदेव सिंह गोहिल, गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल, भावनगर रियासत के जयवीर राज सिंह, कच्छ काठियावाड़ गरासिया संगठन के पूर्व प्रमुख प्रवीण सिंह सोलिया, बलवंत सिंह पांची सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य के बारे में जानकारी प्रदान की।

संपादकीय

परिणाम की चिंता छोड़ें, समाज हित में मतदान करें

18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में होने वाले चुनाव 19 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे हैं। इन चुनावों में देशवासी विभिन्न मुद्दों, विचारधाराओं, अपेक्षाओं आदि के आधार पर अपने पसंदीदा उम्मीदवार या राजनीतिक दल को विजयी बनाने अथवा अपने प्रतिकूल उम्मीदवार या राजनीतिक दल को हराने के उद्देश्य से अपने मत का प्रयोग करेंगे। चूंकि जाति व्यवस्था भारतीय समाज का अभिन्न और अनिवार्य अंग है, इसलिए एक राष्ट्र के रूप में भारत द्वारा वर्तमान में अंगीकृत की गई लोकतान्त्रिक व्यवस्था और प्रक्रिया में भी जाति एक महत्त्वपूर्ण तत्व के रूप में विद्यमान है। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा टिकट वितरण से लेकर सामान्य मतदाता द्वारा मतदान करने में भी जातीय समीकरण और निष्ठाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अल्पकालीन और दीर्घकालीन लाभ-हानि को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं लेकिन लोकतंत्र पर जाति के और जाति पर लोकतंत्र के गहरे प्रभाव को झुठलाया नहीं जा सकता। राजपूत समाज भी इस प्रक्रिया का अंग है और इसलिए हमें भी इन चुनावों में भाग लेते समय सामाजिक दृष्टिकोण से विचार करने और व्यापक समाज हित के अनुरूप अपने राजनीतिक व्यवहार को निश्चित करने की आवश्यकता है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखें तो समाज में एक आक्रोश स्पष्ट दिखाई दे रहा है। समाज में यह भाव तेजी से पनप रहा है कि जिस भारतीय जनता पार्टी का हमें परंपरागत वोटर समझा जाता रहा है, उसने हमारे समर्थन, सहयोग और निष्ठा का प्रतिफल अपमान और उपेक्षा के रूप में ही दिया है। ईडब्ल्यूएस सरलीकरण की मांग हो, इतिहास विकृतिकरण का मुद्दा हो, टिकट वितरण में कम प्रतिनिधित्व हो या समाज विरोधी बयान देने और समाज विरोधी कृत्य करने वाले नेताओं का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष समर्थन हो, भारतीय जनता पार्टी द्वारा की जा रही इस निरंतर उपेक्षा से समाज व्यथित और आक्रोशित है जो इन चुनावों में एक बड़ा कारक, विशेषतः राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश आदि में बन सकता है। दूसरी ओर समाज सापेक्ष राजनीति की आवश्यकता को समझते हुए अपने समाज के प्रत्याशियों को अधिकाधिक संख्या में जिताने का भाव भी समाज में प्रबल है और इसलिए दल-विशेष के प्रति समर्थन या विरोध को दरकिनार कर समाज के प्रत्याशियों के पक्ष में एकतरफा मतदान की बात कही भी जा रही है, सुनी भी जा रही है और समझी भी जा रही है। जहां समाज के दो प्रत्याशी आमने सामने हो, वहां जिताऊ, मजबूत और जो समाज के लिए अधिक उपयोगी समाज सापेक्ष उम्मीदवार के समर्थन की व्यावहारिक बात भी स्वीकार की जा रही है जो सुखद संदेश है।

अनेक प्रकार के दुष्प्रचार और नकारात्मकता के बावजूद भी समाज में आ रही राजनीतिक जागृति के ये सुखद संकेत हैं लेकिन इनके साथ ही कुछ बंधुओ द्वारा एक हिचकिचाहट, एक आशंका भी प्रकट की जा रही है कि यदि हम प्रयास करके भी अपने प्रत्याशियों को विजयी नहीं बना सके तो क्या होगा? यदि हम विरोध करके भी समाज विरोधी नेताओं और राजनीतिक दलों को हरा नहीं सके तो क्या होगा? यह हिचकिचाहट और विपरीत परिणामों का भय राजनीतिक दृष्टिकोण से हमें कमजोर बनाता है। हमें यह स्मरण रखना होगा कि चुनावों में जीत-हार किसी एक ही कारक से तय नहीं होती बल्कि उसमें बहुत सारे कारक कार्य करते हैं। सत्ता प्राप्ति के इच्छुक राजनेता और राजनीतिक दल इन सभी कारकों को जानकर और समझ कर इनमें संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं और उसी के अनुरूप अपनी रणनीति तय करते हैं। इसलिए वर्तमान की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों में मुख्य आवश्यकता जीत-हार तय करने में सक्षम होने की नहीं बल्कि एक महत्त्वपूर्ण और स्वतंत्र कारक के रूप में समाज की उपस्थिति सुनिश्चित करने की है। ऐसा तभी हो सकता है जब हम अपना मतदान सामाजिक आवश्यकताओं और हितों को ध्यान में रखकर करें। यदि सफलता-असफलता की चिंता में पड़कर हमने प्रयास ही नहीं किया तो हम परिणामों को प्रभावित करने वाले स्वतंत्र कारक बनने की बजाय परिणामभीरूता के प्रवाह में बहने वाले परमुखापेक्षी वोट बैंक बनकर रह जाएंगे। अतः राजनैतिक समझदारी के दृष्टिकोण से तो यह आवश्यक है ही कि हम परिणाम की चिंता किए बिना समाज हित में मतदान करना सीखें, साथ ही क्षत्रिय के रूप में भी परिणाम पर कर्त्तव्य को वरीयता देना हमारा धर्म है। जब हमने यह निश्चय कर लिया कि समाज के हित में कोई कार्य करने योग्य है तो उसके परिणाम की चिंता करना हमारे भीतर की प्रच्छन्न कायरता का ही प्रकटीकरण है। ऐसी कायरता और परिणामभीरूता क्षात्रधर्म के अनुरूप नहीं है। क्षात्रधर्म तो निश्चित पराजय और मृत्यु सामने होने पर भी पीछे ना हटने और कर्त्तव्य पालन करने की शिक्षा व प्रेरणा देता है। हमारे कर्म का क्या परिणाम होगा, इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि हम किस भाव से, किस उद्देश्य से वह कर्म कर रहे हैं। यदि हमारा उद्देश्य अपने समाज के प्रति हो रहे अन्याय को रोकने का है, समाज को सबल बनाने का है, यदि समाज के प्रति हमारा भाव पवित्र है तो फिर हमें परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए। हमें तो वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अपने कर्त्तव्य को निश्चित करके उसका पालन करने का ही प्रयत्न करना है। इसलिए आएं, हम इन चुनावों में समाज की सामूहिक चेतना के साथ अपने को जोड़कर परिणामों की चिंता किए बिना समाज के व्यापक हित, आकांक्षाओं और आक्रोश को अभिव्यक्त करने में अपने मत का प्रयोग करें और हमारी उपेक्षा करने वाले राजनीतिक दलों व राजनेताओं को यह संदेश देवें कि हमारे लिए समाज प्राथमिक है, राजनीतिक दल नहीं। हम ना तो किसी राजनीतिक दल के विरोध में बंधे हैं और ना ही किसी राजनीतिक दल के समर्थन में बंधे हैं बल्कि समाज से बंधे हैं और यह बंधन ही हमारे लिए समाज सापेक्ष मतदान का दायित्व निर्धारित करता है। हमारे इस दायित्व पर अनुकूल या प्रतिकूल परिणाम की चाह हावी नहीं होनी चाहिए।

अयोध्या में दो दिवसीय क्षत्रिय सम्मेलन का आयोजन

अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच के तत्वावधान में दो दिवसीय क्षत्रिय सम्मेलन व वार्षिक समारोह का आयोजन 30-31 मार्च को राम जानकी मंदिर, तुलसीनगर, अयोध्या धाम में किया गया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। संगठन द्वारा समाज के विकास में क्या सहयोग दिया जा सकता है, इस पर भी चर्चा हुई। सम्मेलन के अंत में संगठन के विस्तार पर चर्चा हुई और विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संयोजक रमेश राघव, राष्ट्रीय संरक्षक महंत नारायण दास गिरी, प्रदेशाध्यक्ष भगवती सिंह सहित संगठन के अनेकों पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता सपरिवार सम्मेलन में शामिल हुए।

राव जयमल छात्रावास में पुस्तकालय का शुभारंभ

परबतसर में गिंगोली रोड स्थित राव जयमल छात्रावास में नवनिर्मित पुस्तकालय का शुभारंभ 31 मार्च को समारोह पूर्वक किया गया। वातानुकूलन, वाईफाई, सीसीटीवी जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस पुस्तकालय का उद्घाटन चारभुजा सेवा संस्थान के अध्यक्ष महेशपाल सिंह बडू द्वारा किया गया। संस्थान के सदस्य और श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक विजय सिंह सिरसू ने पुस्तकालय के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि श्रेष्ठ पुस्तकों के अध्ययन से व्यक्तित्व में निखार आता है, इसलिए छात्रावास के सभी छात्रों को इस पुस्तकालय का लाभ लेना चाहिए। संस्थान के संरक्षक किशोर सिंह राबडियाद सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जयपुर शहर लोकसभा सीट पर रणनीति तय करने हेतु बैठक

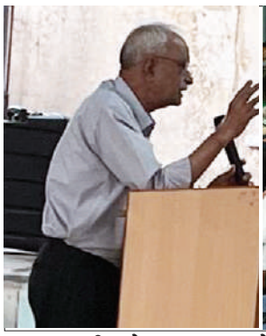

आगामी लोकसभा चुनावों में जयपुर शहर लोकसभा सीट पर समाज की रणनीति को लेकर एक बैठक का आयोजन 2 अप्रैल को श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति भवन में आयोजित हुई। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने बैठक में कांग्रेस के प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास के समर्थन की बात कही और कहा कि यदि हमारे परिवार का कोई सदस्य चुनावों में खड़ा है तो हमें उसका सहयोग अवश्य ही करना चाहिए, चाहे वह किसी भी दल से हो। उन्होंने कहा कि जिस दल में हमारे समाज के व्यक्ति स्थापित हैं, उन्हें और अधिक मजबूत करने के लिए हमें समर्थन करना चाहिए, वहीं जिस दल में हमारे लोग नहीं है उसमें जो लोग प्रयास कर रहे हैं उन्हें जिताकर उनका दावा मजबूत करना चाहिए। प्रताप सिंह खाचरियावास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ प्राणीमात्र की सेवा और न्याय की भावना से कार्य करने वाला संगठन है। यह समाज में टकराव और बिखराव को रोककर समाज व देश को मजबूत करने का कार्य करने वाला संगठन है। राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा भी अनुशासन और भव्यता की बात होने पर श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती का उदाहरण दिया जाता है। ऐसे संगठन के मार्गदर्शन में हम सभी को चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों और शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद भी समाजबंधुओं के आग्रह और सहयोग के आश्वासन पर मैंने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। मैंने सदैव समाज के लिए उपलब्ध रहने और काम करने का पूरा प्रयास किया है और यदि कोई कमी रह गई है तो उसे भी हम मिलकर दूर कर लेंगे। लेकिन इस समय हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा क्योंकि लोकतंत्र में विजय तभी मिलती है जब हम घर घर तक जाकर जनता तक अपनी बात पहुंचा सकें। इसके लिए आप सब का सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम में जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और इन चुनावों में खाचरियावास के पूर्ण समर्थन का संकल्प व्यक्त किया।

सूरत प्रांत की समीक्षा बैठक संपन्न

सूरत प्रांत की समीक्षा बैठक 31 मार्च को अभिनंदन टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड में आयोजित हुई जिसमें पिछले 6 माह में प्रांत में हुए संघ कार्य की समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों ने अपने द्वारा लिए गए दायित्व और उसके निर्वहन में किए गए कार्यों की जानकारी दी। प्रांतप्रमुख खेत सिंह चांदेसरा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	उ.प्र.शि	18.05.2024 से 29.05.2024 से	**राधेजा, जिला- गांधीनगर।** गांधीनगर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राधेजा, जिला- गांधीनगर। शिविर स्थल गांधीनगर से 12 किमी, साबरमती रेलवे स्टेशन से 33 किमी व कालुपुर रेलवे स्टेशन से 37 किमी दूर स्थित है।
02.	मा.प्र.शि (बालिका)	23.05.2024 से 29.05.2024 से	**काणेटी जिला - अहमदाबाद** प्राथमिक शाला काणेटी, तहसील - साणंद, जिला - अहमदाबाद। शिविर स्थल साबरमती रेल्वे स्टेशन से 30 किमी व असारवा रेल्वे स्टेशन से 30 किमी दूर स्थित है।

नोटः- उ. प्र. शि. बालक हेतु योग्यताएंः शिविरार्थी दो प्रा. प्र. शि. एवं एक मा. प्र. शि. किया हुआ हो तथा 10 वीं की परीक्षा दे चुका हो। 50 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण के सहयोगी के रूप में आवश्यक होने पर बुलाये जाने पर ही आना है। निर्देशिका के अनुरूप गणवेश व अन्य सामग्री अनिवार्य है। धोती कुर्ता व केसरिया साफा भी लाना है। बीच में आने वाले केवल 23 मई को ही आ सकते हैं।

मा. प्र. शि.बालिका हेतु योग्यताएं : तीन शिविर किए हुए हों एवं 10 वीं की परीक्षा दी हुई हो। आयु 16 से 30 वर्ष के बीच हो। 30 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण की आवश्यकता के अनुसार बुलाये जाने पर ही आना है। केशरिया गणवेश एवं निर्देशिका में वर्णित अन्य सामग्री लाना आवश्यक है।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

उज्जैन में हुआ क्षत्रिय स्नेहमिलन समारोह

विक्रम संवत नववर्ष 2081 के आगमन पर राजा भोज जनकल्याण सेवा समिति रतलाम मालवा के तत्वावधान में उज्जैन के होटल निवार्णा ग्रींस में क्षत्रिय स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के कई जिलों के सैंकड़ों समाजबन्धु और मातृशक्ति उपस्थित रहे। समारोह में अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, राघवेन्द्र सिंह तोमर (राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजपूत महापंचायत भोपाल), पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरेन्द्रसिंह बैस, विंग कमांडर डॉ सरिता पँवार (सैनिक कल्याण अधिकारी हरिद्वार, उत्तराखंड), डॉ यतीन्द्र सिंह सिसोदिया (निदेशक सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान उज्जैन), देवेन्द्रसिंह पिपलोदा आदि उपस्थित रहे। समारोह का प्रारंभ सभी अतिथियों द्वारा चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। सभी वक्ताओं ने वीर विक्रमादित्य को भारतीय इतिहास का महान नायक बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रुप में डॉ. रमेश यादव (पुरातत्व अधिकारी राज्य पुरातत्व विभाग भोपाल) ने सम्राट विक्रमादित्य के ऐतिहासिक और पुरातात्विक संदर्भों पर प्रकाश डालते हुए उनकी परमार (पंवार) राजवंश से संबद्धता के बारे में बताया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह पंवार ने स्वागत उद्बोधन दिया। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को 'मां हरसिद्धी मातृ शक्ति अलंकरण', पुरुषों को 'चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण' एवं विद्यार्थियों को 'मां वाग्देवी अलंकरण' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सत्येन्द्र सिंह कदवाली ने किया।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

जनौरा (उत्तरप्रदेश) में क्षत्रिय समाज होली मिलन कार्यक्रम

उत्तरप्रदेश में अयोध्या के निकटवर्ती जनौरा गांव, जिसे राजा जनक द्वारा बसाया गया था, में क्षत्रिय समाज का होली मिलन समारोह अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के तत्वावधान में 31 मार्च को आयोजित हुआ। स्थानीय सांसद लल्लू सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे को बढ़ाने वाला पर्व है। सभी जाति धर्म के लोग एक साथ मिलकर यह त्यौहार मनाते हैं और सामाजिक सद्भावना का संदेश देते हैं। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि महाराणा

प्रताप की मूर्ति पर छतरी लगाने की समाज की मांग पूरी करने के लिए वे पूरा सहयोग करेंगे। परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। परिषद की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजबंधुओं का सम्मान किया गया एवं अतिथियों को स्मृति चिह्न भी भेंट किए गए। कार्यक्रम में अनेकों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

'आधुनिक भारत के क्षत्रिय' व्याख्यान माला का प्रारंभ, अर्जुन सिंह को दी श्रद्धांजलि

दिल्ली विश्वविद्यालय की आर्ट्स फैकल्टी में राजर्षि विश्वामित्र फाउंडेशन के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, जामिया विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा 'आधुनिक भारत के क्षत्रिय' नाम से व्याख्यान माला की शुरूआत की गई है। इस लेक्चर सीरीज के अंतर्गत क्षत्रिय समाज की महान विभूतियां, जिन्होंने वर्तमान लोकतांत्रिक ढांचे में राष्ट्र निर्माण में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, उनको श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसकी शुरूआत 5 अप्रैल 2024 को पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पंजाब के पूर्व राज्यपाल और तीन बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय अर्जुन सिंह जी की स्मृति में कार्यक्रम के आयोजन के साथ हुई। कार्यक्रम में स्व. अर्जुन सिंह जी द्वारा उच्च शिक्षा

के क्षेत्र में किए गए सुधारों और अभूतपूर्व कार्यों को याद किया गया। मंच संचालन करते हुए जामिया विश्वविद्यालय के छात्र निपुण सोलंकी ने लेक्चर सीरीज की योजना के बारे में सभी छात्र छात्राओं को विस्तार से बताया। जामिया विश्वविद्यालय के छात्र नवदीप सिंह ने अर्जुन सिंह जी का जीवन परिचय दिया। अभिनव सिंह ने बताया कि अर्जुन सिंह जी ने केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रहते हुए अपनी दूरदर्शी सोच और दृढ़निश्चय से देश में 9 आईआईटी, 6 आईआईएम, 18 केन्द्रीय विश्वविद्यालय और आईआईएससी बैंगलोर की तर्ज पर 4 आईआईएसईआर संस्थान स्थापित कर भारत में आधुनिक शिक्षा की मजबूत नींव रखी। किरोड़ी मल कॉलेज के छात्र रावल सिंह राठौड़ ने बताया कि सामाजिक न्याय के पक्षधर अर्जुन सिंह जी मजबूत इच्छाशक्ति के धनी थे। विक्रम सिंह राठौड़ ने अर्जुन सिंह जी की कुशल प्रशासक की छवि के बारे में बताया कि कैसे अर्जुन सिंह जी ने पंजाब के गवर्नर रहते हुए शांति समझौता करा कर पंजाब को आतंक मुक्त कराया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सचिन प्रताप सिंह ने सभी छात्र छात्राओं का कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया।

राजा रघुनाथ सिंह जयंती समारोह का पोस्टर विमोचन

21 अप्रैल 2024 को नागौर जिले के मारोठ में श्री रघुनाथ सिंह जी सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित होने वाले राजा रघुनाथ सिंह जी की 423वें जयंती समारोह का पोस्टर विमोचन आयुवान निकेतन कुचामन सिटी में 7 अप्रैल को किया गया। उपस्थित समाजबंधुओ को संस्थान की कार्यकारिणी द्वारा जयंती में अधिक से अधिक संख्या में आने एवं जयंती का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने का निवेदन किया गया एवं इसके लिए दायित्व सौंपे गए। साथ ही सभी को जानकारी दी गई कि समारोह में कक्षा 10 व 12 में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं सरकारी सेवा में नव चयनित प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके लिए आवेदन 15 अप्रैल तक करना होगा।

संघशक्ति में राजपूताना विद्युत क्लब का होली स्नेहमिलन

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्युत विभाग राजस्थान से जुड़े हुए राजपूत कर्मचारियों-अधिकारियों का होली मिलन समारोह संघशक्ति भवन जयपुर में 7 अप्रैल को आयोजित किया गया जिसमें राजस्थान के विद्युत विभाग से जुड़े हुए समाजबंधुओं व मातृशक्ति ने भाग लिया। कार्यक्रम में जयपुर डिस्कॉम के मुख्य कार्मिक अधिकारी एन.एस. नाथावत, मुख्य नियंत्रक (लेखा) वाई.एस.राठौड, उत्पादन निगम के मुख्य अभियंता राजसिंह भाटी, प्रसारण निगम के अधिशासी अभियंता (विधि) एम.एस. सोलंकी, जयपुर डिस्कॉम के अधिशासी अभियंता जी.एस शेखावत, दीपेंद्रसिंह शेखावत, सहायक अभियंता गजेंद्रसिंह राठौड़, विजयसिंह राठौड, शक्तिसिंह शेखावत व सुरेंद्रसिंह सांदरसर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एक दूसरे से परिचित होने का मौका मिलता है और हम सभी कार्मिकों को एक दूसरे के साथ कार्यालय, विभाग संबंधित जानकारी का आदान-प्रदान करते रहना चाहिए। यह भी बताया गया कि इस नए और तकनीकी युग में नई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए नई तकनीक को समझने और अपनाने की विशेष आवश्यकता है।

इसके साथ ही हम विभाग में अपनी कार्यशैली से समाज की विशिष्ट छाप बनाएं जिससे हमारा समाज भी गौरवान्वित हो। अपनी विभागीय कर्त्तव्य के अलावा समाज हित में सामाजिक कार्यक्रमों में हमारी भागीदारी भी सुनिश्चित हो जिससे हमारा सामाजिक भाव मजबूत बनें और जिससे हम आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण में भी सहायक हो सकें।

समारोह में श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ जिन्होंने सभी को एक वृहद् और आदर्श परिवार की तरह प्रेमभाव से रहने व अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को सही तरह से निभाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्रसिंह निमेड़ा द्वारा किया गया। जोधपुर में इसी प्रकार का एक स्नेहमिलन समारोह 14 अप्रैल को रखने का निर्णय भी लिया गया।

चंचल राजावत ने प्राप्त किया भारत में प्रथम स्थान

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ सेंसस ऑपरेशन (टेक्निकल) ऑफिस ऑफ रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया, गृह मंत्रालय परीक्षा के हाल ही जारी परिणाम में दौसा के निकटवर्ती कैलाई गांव की निवासी चंचल राजावत ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान में जयपुर में निवासरत चंचल कृषि आयुक्तालय जयपुर में सहायक सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। इनके पिता सुरेंद्र सिंह कैलाई श्री क्षत्रिय युवक संघ के सहयोगी है।

(पृष्ठ एक का शेष)

राजनीति...

यह जब तक हम नहीं करेंगे तब तक हमारी उपेक्षा होती रहेगी। जिस पार्टी को हम वोट देते हैं वह यदि हमारी उपेक्षा करती है तो उसको आंख दिखाना जरूरी है। किसी भी राजनीतिक दल में यदि हमारा समाज का या हमारा सहयोगी व्यक्ति खड़ा है तो उसकी हमें मदद करनी है और जो हमारे प्रति शत्रुता का भाव रखता है वह चाहे किसी भी दल में हो उसे हमें हराना है। उपर्युक्त बात श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने जयपुर स्थित संघशक्ति कार्यालय में 31 मार्च को आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे श्री प्रताप फाउंडेशन की स्थापना के इतिहास और विचारधारा के बारे में बताते हुए कहा कि समाज में राजनीतिक जागृति लाने के लिए श्री प्रताप फाउंडेशन की स्थापना हुई। स्थापना के बाद 18 जिलों में दो दिन के चिंतन शिविर लगाए गए जिनमें उस जिले के राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं को साथ में रखा गया। इन शिविरों के माध्यम से यह समझाने की कोशिश की गई कि हमारे वोट एकतरफा पड़ने चाहिए। साथ ही महिलाओं को भी पीछे नहीं रहना है। यदि किसी का वोटर लिस्ट में नाम नहीं है तो तुरंत लिखवाना चाहिए। इन बैठकों का प्रभाव भी पड़ा और अगले चुनाव में राजपूत विधायकों की संख्या 17 से बढ़कर 27 हो गई। इससे सभी में जोश बढ़ा और तभी से इस दिशा में कार्य चल रहा है।

इसके पश्चात उपस्थित समाजबंधुओं द्वारा आगामी लोकसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में अनेक जिज्ञासाएं रखी गई जिनके समाधान में माननीय महावीर सिंह जी ने कहा कि समाज की प्राथमिकता समाज के सभी प्रत्याशियों को विजयी बनाकर संसद भेजने की होनी चाहिए। उन्होंने जयपुर शहर से कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें इस सीट पर प्रताप सिंह का एकतरफा समर्थन करना चाहिए जिससे इस सीट पर आगे के लिए समाज का दावा मजबूत हो जाए। झुंझुनूं के एक समाजबंधु के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि वहां के भाजपा प्रत्याशी द्वारा समाज के विरोध में दिए गए बयानों के कारण उसे अवश्य हराना चाहिए। उन्होंने गुजरात के पुरुषोत्तम रुपाला प्रकरण और भाजपा द्वारा ईडब्ल्यूएस सरलीकरण पर समाज की मांग की उपेक्षा का उत्तर भी मतदान द्वारा देने की बात कही। 28 जनवरी 2024 को दिल्ली में आयोजित हुए पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में सहयोग करने वाले समाजबंधुओ का यह स्नेहमिलन श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के सान्निध्य में संपन्न हुआ। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जयपुर संभाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में स्नेहभोज भी रखा गया।

व्यक्तिगत...

जो देखना ही चाहते हैं वे दूर खड़े नहीं रहते, वे पास में आते हैं, इधर उधर से दूसरों को हटा कर आगे आने का प्रयत्न करते हैं, ऐसे लोग ही राजनीति में आ सकते हैं। दूर खड़े रहकर केवल विश्लेषण करने से कुछ नहीं होगा।

हमारे ऋषि मुनि बताते आए हैं कि जीवन का उद्देश्य ईश्वर को प्राप्त करना है, इसलिए ईश्वर का भजन, राम का भजन करना ही पड़ेगा और इसमें कई जन्म लग सकते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ के काम को भी ईश्वर का भजन समझ करके हम हमारे युवक-युवतियों को यह समझाएं कि आगे आने वाला जीवन केवल पैसे का नहीं है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्वयंसेवक प्रतिदिन एक घंटा समाज के लिए देता है लेकिन जैसे ही वह बाहरी लोगों के संपर्क में आ जाता है, वह भी दूसरों जैसा हो सकता है क्योंकि बाहर का प्रभाव पड़े बिना रह नहीं सकता। हम भी कोई देव पुरुष नहीं हैं, देवदूत नहीं हैं कि हमारे ऊपर बाहर का प्रभाव न पड़े। हमारे जीवन में कुछ न कुछ मौलिक चीज होनी चाहिए, वही चरित्र को बनाती है। पूज्य तनसिंह जी ने एक छोटी सी पुस्तिका लिखी है - समाज चरित्र, जो बहुत आसान है, संघ के प्रारंभिक काल में लिखी हुई है, वह हमें पढ़नी चाहिए। हमको केवल व्यक्तिगत चरित्र की बात नहीं करनी है, हमको समाज चरित्र की बात करनी है। हम केवल अपने लिए नहीं जी रहे हैं, हम समाज के लिए जी रहे हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज के लिए है, समाज श्री क्षत्रिय युवक संघ के लिए नहीं है। इसका अर्थ है कि समाज के साथ हमें तालमेल तो बिठाना है लेकिन उसका प्रयोग हम केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए करना न शुरू कर दें। अधिकतर राजनीतिज्ञ यही करते हैं।

इसलिए एक जगह जाकर के वे इतने स्टैग्नेंट हो जाते हैं, इतने रुक जाते हैं, कि उनके विचार ही सड़ जाते हैं। सारे सड़े हुए विचार वाले लोग राजनीति में बैठे हुए हैं, उनसे क्या अपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ चाहता है कि देश का हित भी हो, समाज का कल्याण भी हो और पूरी मानवता हमारा कार्यक्षेत्र बन जाए, ऐसा विस्तार हम करें। ऐसा तनसिंह जी का विचार था। उस विचार पर चलने से ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का उद्देश्य पूरा हो सकता है और मैं सोचता हूं कि आज इससे सुंदर और कोई विचार हो नहीं सकता। लेकिन यह कार्य इतना आसान नहीं है। तनसिंह जी से हमने सुना है कि शताब्दियां लग जाएंगी, शरीर बदलते रहेंगे, अनेकों जन्म लेंगे, पर हमारा संकल्प यही होगा कि मर करके भी वापस जन्म लेकर इसी काम में लगेंगे क्योंकि त्याग की परंपरा को जिंदा रखने के लिए यह आवश्यक है। ऐसे संकल्प के साथ श्री क्षत्रिय युवक संघ काम कर रहा है और आपको भी सलाह दूंगा कि आप भी इसी प्रकार का कार्य करें।

जय संघ शक्ति।।

पश्चिमी...

अलीगढ़ लोकसभा क्षेत्र में गभाना तहसील के कृष्णा गार्डन में भी क्षत्रिय महापंचायत का आयोजन 7 अप्रैल को किया गया। इसमें भाजपा द्वारा समाज की उपेक्षा के कारण भाजपा को हराने में सक्षम प्रत्याशी को वोट करने का निर्णय लिया गया। मेरठ लोकसभा क्षेत्र के सिसौली गांव में भी 11 अप्रैल को महापंचायत आयोजित करके भारतीय जनता पार्टी को राजपूत समाज की उपेक्षा करने पर चेतावनी दी गई। मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के कुरथल में भी 12 अप्रैल को क्षत्रिय महापंचायत आयोजित की गई जिसमें समाज की मांगों के प्रति भाजपा की हठधर्मिता पर रोष जताया गया और चुनावों में भाजपा के विरुद्ध मतदान का आह्वान किया गया।

जगन्नाथपुर (पाटन) में स्नेहमिलन

गुजरात में पाटन जिले के सिद्धपुर तहसील के जगन्नाथपुर गांव में 31 मार्च को स्थानीय समाजबंधुओ का स्नेहमिलन आयोजित हुआ। श्री 52 गोल राजपूत समाज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहदेव सिंह मूली ने युवाओं को अपनी परंपरा, अपने कर्तव्य और स्वधर्म को पहचानने की बात कही। महेश सिंह जगन्नाथपुर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य और कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रणजीत सिंह नंदाली ने युवाओं से संघ की शाखाओं और शिविरों में नियमित रूप से भाग लेने की बात कही। श्री 52 गोल राजपूत समाज के प्रमुख शिवाजी राजपूत ने कहा कि वर्तमान में समाज में संस्कारों और मयार्दाओं का जो ह्रास हो रहा है, उसे श्री क्षत्रिय युवक संघ जैसी संस्था द्वारा ही रोका जा सकता है। लक्ष्मण सिंह कामली ने व्यापार के क्षेत्र में संगठन का महत्व बताया। रोहित सिंह खिलोड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। सिद्धपुर तहसील के विभिन्न गांवों के सैकड़ो समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जसवंत सिंह तेजमालता बने जैसलमेर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष

जसवंत सिंह तेजमालता को जैसलमेर कांग्रेस समिति का कार्यकारी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। 3 अप्रैल को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस समिति द्वारा उनके नियुक्ति आदेश जारी किए गए। जसवंत सिंह इससे पूर्व जैसलमेर विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं और श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के सहयोगी हैं।

सोनू कंवर राठौड़ को डॉक्टरेट की उपाधि

सीकर जिले के लोसल क्षेत्र के खानडी गांव की निवासी सोनू कंवर राठौड़ धर्मपत्नी सुमेर सिंह शेखावत ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के वाशी, नवी मुंबई में आयोजित 14वें दीक्षांत समारोह के दौरान उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने डॉक्टर आभा सिंह के निर्देशन में स्मूकबधिर विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का उनके समायोजन व आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययनश्र विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया है। सोनू कंवर का पीहर ननवाण (लाडनूं) में है।

बलदेव सिंह भैंसाणा बने आईपीएस

गुजरात के मेहसाणा जिले के भैंसाणा गांव के निवासी बलदेव सिंह को आईपीएस नॉमिनेशन प्रदान किया गया है। उन्हें 2018 बैच के आईपीएस में नॉमिनेशन प्राप्त हुआ है। गुजरात लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल होकर 2011 में गुजरात पुलिस सेवा में नियुक्त होने वाले बलदेव सिंह वर्तमान में अहमदाबाद शहर में पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक एडमिन) के पद पर नियुक्त है। बलदेव सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के सक्रिय स्वयंसेवक हैं।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अरुण प्रताप सिंह बस्तवा

ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित **एनडीए परीक्षा** में अंतिम रूप से चयनित होकर अखिल भारतीय स्तर पर **नौवां** स्थान प्राप्त किया है। चयन प्रक्रिया के दौरान **एसएसबी** द्वारा आयोजित किए जाने वाले **पांच दिवसीय साक्षात्कार** में आज तक के **सर्वाधिक 537 अंक** प्राप्त करने वाले **अरुण प्रताप सिंह** को अपने परिवार की **चौथी पीढ़ी** के रूप में सेना में शामिल होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शुभेच्छु:

रूप सिंह परेऊ	गुलाब सिंह बस्तवा	महेन्द्र सिंह गुजरावास	गोकलसिंह अमृतनगर बालेसर सत्ता
चन्द्रवीर सिंह देणोक	भैरू सिंह बेलवा	गोपालसिंह मुंगेरिया	लक्ष्मणसिंह गुड़ानाल
मदनसिंह सोलंकिया तला	नरेंद्र पाल सिंह खिरजा	पाबु सिंह लवारन	करणीपाल सिंह गांवड़ी
अर्जुन सिंह जिनजिनयाला कल्ला	नाथूसिंह बालेसर सत्ता	भीख सिंह सेतरावा	बाबू सिंह बापिणी
भोमसिंह लवारन	जसवंत सिंह चाबा	भरतपाल सिंह दासपा	भगवान सिंह रावलगढ

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org